मिशन शिक्षण संवाद

(काव्य रूप)

गणित

: निर्माण :

सुमन पांडेय (प्र0अ0)

प्रा0 वि0 टिकरी - मनौटी

खजुहा, जनपद- फतेहपुर

3

(पाठ-1)

संख्याओं का घर

तर्ज-चेहरा है या चाँद खिला है....

जैसे हम अपने घर रहते,
वैसे संख्याओं का घर।
घर से हम पहचाने जाते,
संख्या का भी होता घर।।

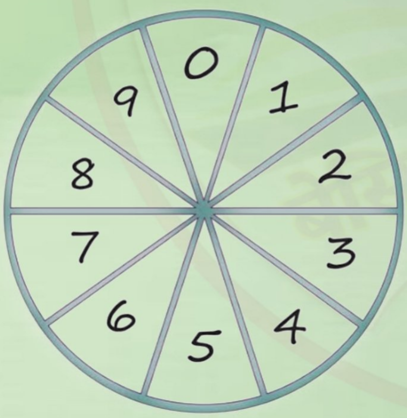

चार अंकीय संख्या घर में,
इकाई, दहाई, सैकड़ा, हजार।
दस इकाई एक दहाई बराबर,
दस दहाइयों से एक सैकड़ा मान।।

दस सैकड़ा है मिलकर बनता,
एक हजार है मान।
संख्या के स्थान विशेष पर,
होता है जो अंक का मान।।
वही उस अंक का कहलाता।
देखो बच्चों स्थानीय मान।

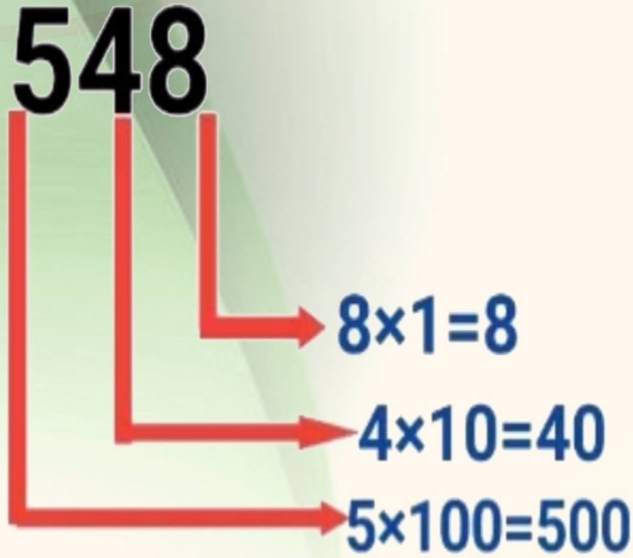

(पाठ- 2)

संख्याओं का मिलन

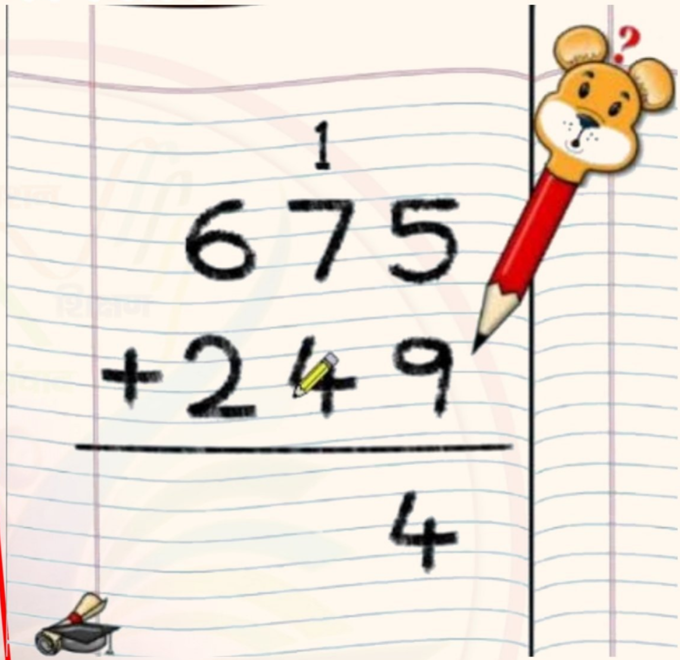

आओ बच्चों तुम्हें सिखाएँ,
हासिल के जोड़ को।
देखो कैसे जोड़ते हैं?
चार अंको की संख्या को।।
इकाई-इकाई जोड़कर जब,
मिलती दो अंक की संख्या।
इकाई अंक लिख देते हैं,
दहाई हासिल बन जाता।।

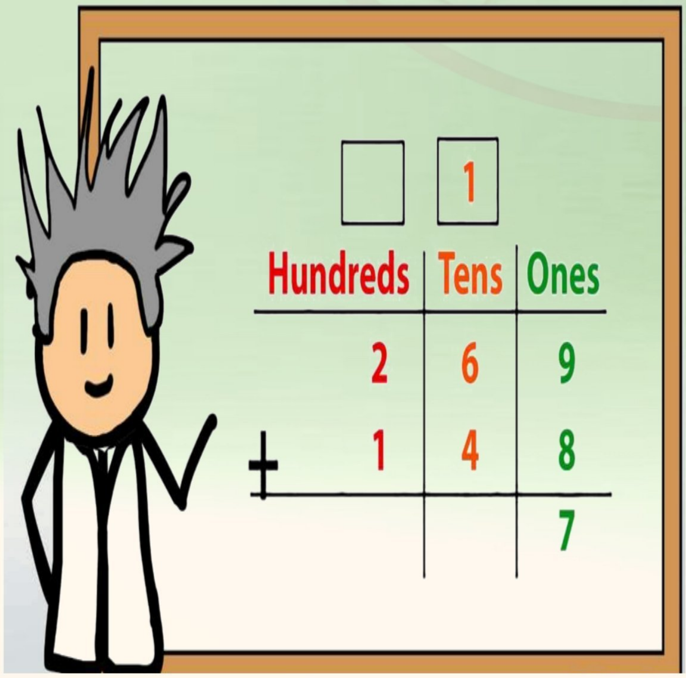

दहाई के अंकों में फिर,
हासिल जोड़ हम लिखते हैं।
देखेंगे फिर क्या मिलती,
दो अंक की संख्या है।।
इकाई अंक लिखकर,
दहाई हासिल जोड़ते हैं।
इसी तरह हम पूरा करते,
हैं हासिल के जोड़ को।।

(पाठ- 3)

घटाना

घटाना कठिन ना होता बच्चों,
होता बहुत आसान है।
आओ देखो कैसे मिलता,
घटाने पर अंकीय मान है।।
घटाना हो 257,
यदि 841 से।
एक से है सात न घटता,
लेंगे उधार दहाई एक।।

ग्यारह से सात घटाने पर,
मिलेगी 4 इकाई।
दहाई होगी तीन,
जिससे है घटाना पाँच को।।
तेरह से पाँच घटाने पर,
मिलता हमको आठ है।
अब सात से दो घटाने पर,
मिलता हमें पाँच हैं।।

(पाठ- 4)

सींकों का कमाल

एक बाग में पौधे बीस,
चार पड़ी पंक्तियों में खड़े हैं पाँच।
गिनने पर भी मिलता बीस,
गुणा करें तो मिलेंगे बीस।।
याद रखो बच्चों कुछ बातें,
गुणन की संक्रिया में खास।
जीरो से किसी संख्या में,
गुणा करने पर मिलता है जीरो।।

$$0 \times 5 = 0$$

$$1 \times 5 = 5$$

जीरो में किसी संख्या से,
गुणा करने पर मिलता जीरो।
एक से किसी संख्या में,
गुणा करें तो मिलेगी वहीं
संख्या।।

(पाठ- 5)

बराबर बाँटो भाग

भाज्य (Dividend)

5 | 1588 | 317

-15

8

-5

38

-35

3 ← शेषफल (Reminder)

भाजक (Divisor)

भागफल (Quotient)

जिस संख्या में भाग हैं देते,
भाज्य वह कहलाती है।
जिससे करते हैं भाग देखो,
भाजक वह कहलाती है।।
भाग देने पर परिणाम जो मिलता,
भागफल कहलाता है।
बिना बँटा जो हिस्सा होता,
शेषफल रह जाता है।।

3 ← भागफल

भाजक→ 7) 25 ← भाज्य

− 21

4 ← शेषफल

भाजक = 7

भाज्य = 25

भागफल = 3

शेषफल = 4

25 को भाग जो देते है 7 से,
75 इसमें भाज्य है।
तो 7 भाजक कहलाएगा,
भागफल 3 है, तो शेष 4 रह
जाता है।।

(पाठ- 6)

भिन्न

भिन्न होती ना पूर्ण संख्या,
होती संख्या का है भाग।
यदि हों वस्तु के हिस्से चार,
लिखते इसको भिन्न में 1/4।।

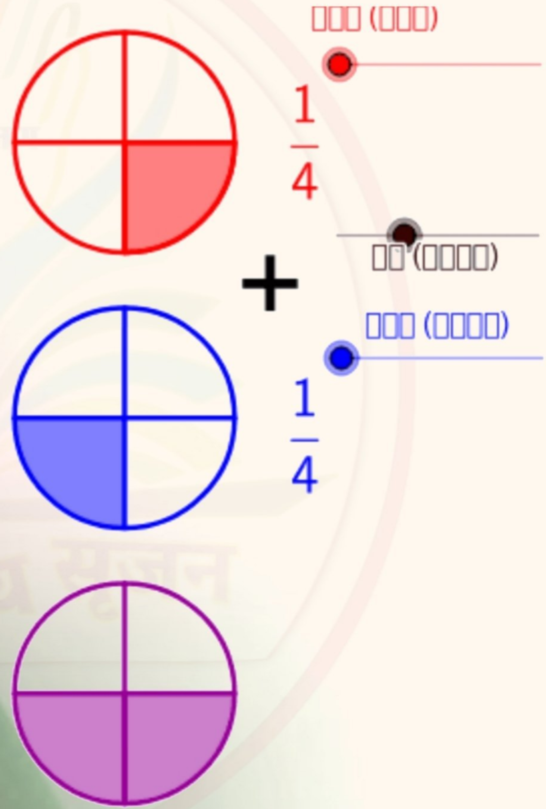

अंश होता विभाजक रेखा के ऊपर,
तो नीचे होता है हर।
विभाजक रेखा है पहचान,
भिन्न की कर लो पहचान।।

हो समान हर की दो भिन्नें,
देखो अंश पहचानो भिन्नें।
अंश में बड़ी संख्या बड़ी है भिन्न,
अंश जो छोटा छोटी है भिन्न।।

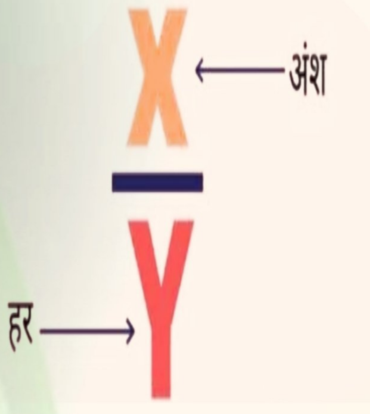

(पाठ- 7)

भिन्नो का जोड़ घटाना

जैसे होता है बच्चों साधारण,
संख्याओं का जोड़ घटाना।
वैसे ही होता है समान हर की,
भिन्नों का जोड़ घटाना।।

अंश का जोड़ घटाव होता,
हर का रहता वही है मान।
जैसे 5/9+1/9 करने पर,
आएगा 6/9 है मान।।

$$\frac{5}{9} + \frac{1}{9} = \frac{6}{9}$$

6/8-2/8 करने पर,
प्राप्त होगा 4/8 है मान।
इस प्रकार से करना होता,
है बच्चों जोड़ घटाव।।

$$\frac{6}{8} - \frac{2}{8} = \frac{4}{8}$$

(पाठ- 8)

परिमाप

किसी आकृति के सभी भुजाओं का,
योग है कहलाता परिमाप।
चार भुजाओं से घिरी आकृति,
आमने-सामने की समान।।

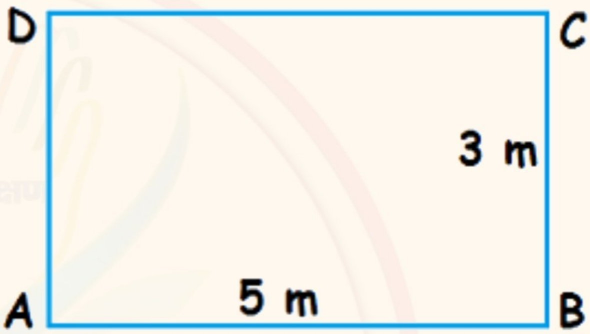

चारों भुजाओं को जोड़ने पर,
आएगा आयत का परिमाप।
वर्ग की होती भुजा समान,
होता भुजा×4 परिमाप।।

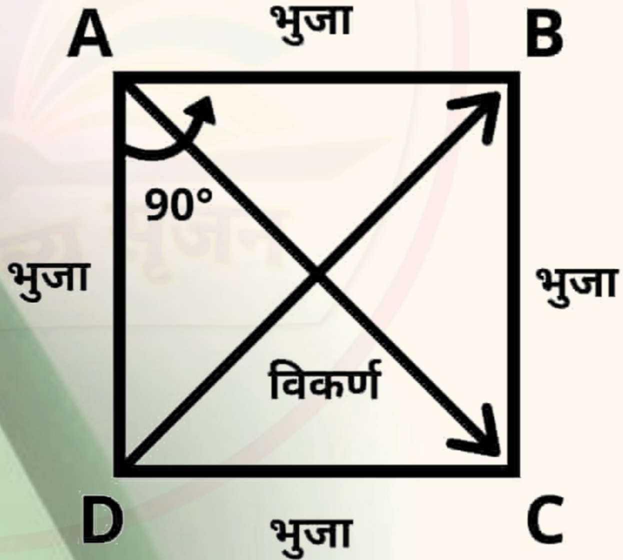

तीन भुजाएँ होती त्रिभुज की,
जोड़ने पर आता परिमाप।
वृत्ताकार आकृति के,
किनारे की लम्बाई परिमाप।।

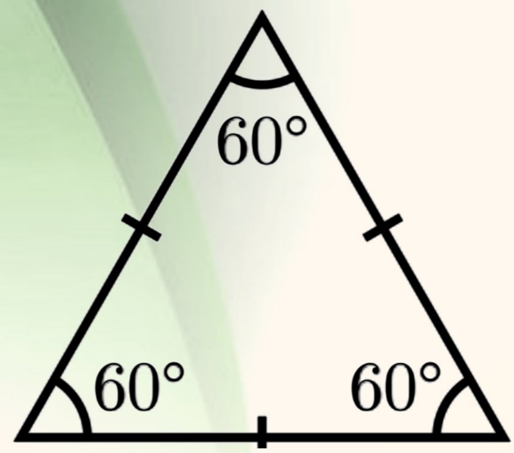

(पाठ- ९)

अंक ही अंक

1	१	एक
2	२	दो
3	३	तीन
4	४	चार
5	५	पांच
6	६	छः
7	७	सात
8	८	आठ
9	९	नो
10	१०	दश

बच्चों जानो देवनागरी,
अंतरराष्ट्रीय रोमन अंक।
देखो कैसे लिखे जाते,
अलग-अलग तीनों अंक।।

हिन्दी गिनती कहलाती,
देवनागरी अंक है।
अंग्रेजी गिनती होती,
अंतरराष्ट्रीय अंक है।।

1	I	11	XI
2	II	20	XX
3	III	30	XXX
4	IV	40	XL
5	V	50	L
6	VI	60	LX
7	VII	70	LXX
8	VIII	80	LXXX
9	IX	90	XC
10	X	100	C

रोमन गिनती प्रदर्शित करती,
है निश्चित अंको को।
I, V, X, L हैं बताते,
1, 5, 10, 50 को।।

(पाठ- 10)

मनोज का हिसाब

देखो बच्चों जीवन में,
रुपए पैसे का होता मान।
वस्तु के क्रय विक्रय में,
करते हैं आदान-प्रदान।।
आओ बच्चों तुम्हें बताएँ,
हिसाब-किताब के बारे में।
किसी वस्तु के लेनदेन में,
रुपए पैसे के बारे में।।

रीना ने यदि खरीदे,
125 रुपये के आम व 200 के अनार।
तो कुल रीना ने खर्च किए,
कुल 325 रुपये फल पर।।

यदि मनोज के पास हो,
500 रुपये का नोट।
बदले में उसको मिलेंगे,
100 रुपये के 5 नोट।।

(पाठ- 11)

टिक-टिक करती चले घड़ी

टिक टिक करती चले घड़ी,
बड़े काम की है घड़ी।
घड़ी बताती समय की चाल,
बच्चों तुम रखना ख्याल।।
घड़ी जहाँ पर अंक लिखे,
कहते उसको डायल हैं।
डायल बँटा 12 भागों में,
प्रत्येक में 5 खाने हैं।।
प्रत्येक खाना 1 मिनट का,
एक भाग है 5 मिनट का।
12 भाग है 60 मिनट के।
होते बराबर 1 घंटे के।।
घड़ी के डायल में तीन सुई,
घंटा, मिनट, सेकंड की सुई।
1 दिन में दो चक्कर,
लगाती है घंटे की सुई।।

1 min = 60 sec

2 min = 120 sec

3 min = 180 sec

(पाठ- 12)

कौन कितना भारी

रिंकू टिंकू बाजार गए,
ध्यान से सामान तौला रहे।
दाल, तेल, चीनी, चायपत्ती,
तौलने के बाट भी देख रहे।

किलोग्राम को ग्राम में यदि हो बदलना,
तो 1000 से गुणा होगा करना।
ग्राम को किलोग्राम में यदि हो बदलना,
1000 से भाग हमको होगा करना।।

ग्राम में भार बताने वाली संख्या में,
हजार स्थान किलोग्राम का,
शेष सैकड़ा, दहाई, इकाई है,
होता मान ग्राम का।।

(पाठ- 13)

धारिता

किसी बर्तन में दूध, तेल, पानी,
जितना है आता।
वही उस बर्तन की,
कहलाती है धारिता।।

द्रव पदार्थों को नापते हैं,
लीटर व मिलीलीटर में।
संक्षेप में लीटर को ली,
मिलीलीटर लिखते मिली में।।

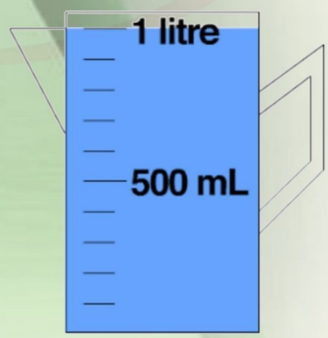

जैसे साधारण जोड़ घटाना,
वैसे ली, मिली का जोड़ घटाना।
एक लीटर में होते मिली 1000,
मिली से ली बनाने को देते हैं भाग।।

(पाठ- 14)

कीकू नापे उछल-कूद कर

कीकू नापे उछल-कूद कर,
पटरी एक है लाया।
पीकू के पूछे जाने पर,
मीटर उसे बताया।।
कीकू कहता कपड़े को,
नापे हम मीटर, सेंटीमीटर में।
तुम भी रस्सी को अपनी,
बदल सकते मीटर पैमाने में।।
एक मीटर में देखो,
होते सेंटीमीटर हैं सौ।
अपनी किताब की लम्बाई,
नाप सकते सेंटीमीटर में हैं।।
पीकू पूछे कीकू से,
दूरी को किसमें नापते।
दूरी को हम किलोमीटर,
व मीटर में हैं नापते।।

(पाठ- 14) भाग - 2

कीकू नापे उछल-कूद कर

मीटर के सौवें भाग को,
कहते सेंटीमीटर है।
किलोमीटर के हजारवें भाग को,
कहते देखो मीटर हैं।।
किलोमीटर से मीटर बनाने को,
करते गुणा 1000 से।
मीटर से किलोमीटर बनाने को,
करते भाग 1000 से।।
लम्बी दूरी नापें किलोमीटर में,
छोटी दूरी मीटर व सेंटीमीटर में।
गुणा करते हैं बदलने को,
बड़ी से छोटी इकाई में।।
जोड़ घटाना होता है वैसे,
जैसे साधारण जोड़-घटाना।
गुणा भाग है करना होता,
जब एक इकाई से दूसरी में हो बदलना।।